हिंदी विवि के स्थापना दिवस पर कृष्णबिहारी मिश्र का सम्मान

कोलकाता, 29 दिसंबर। हिंदी के विख्यात कवि केदारनाथ सिंह ने कहा है कि हिंदी में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे विद्यार्थियों व शोधार्थियों को रवींद्रनाथ टैगोर को जानना चाहिए। टैगोर को नहीं जानना बंगाल को नहीं जानना है और बंगाल को नहीं जानना भारत को नहीं जानना है। प्रो. सिंह आज महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र में आयोजित 19वें स्थापना दिवस समारोह में अध्यक्षीय वक्तव्य कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिंदी विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र की स्थापना उसके प्रभारी डा. कृपाशंकर चौबे के व्यक्तिगत प्रयासों के कारण संभव हुई। डा. चौबे ने बांग्ला लेखिका महाश्वेता देवी से लेकर तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी से कई बार मिलकर अंततः केंद्रीय बजट में कोलकाता केंद्र के लिए दस करोड़ रुपए आवंटित कराया और इस तरह 2011 को हिंदी विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता में खुला।

हिंदी विश्वविद्यालय के 19वें स्थापना दिवस समारोह में हिंदी के वरिष्ठ ललित निबंधकार डा. कृष्ण बिहारी मिश्र को विश्वविद्यालय का पहला हिंदी मित्र सम्मान दिया गया। केदारनाथ सिंह ने स्मृति चिह्न देकर डा. कृष्णबिहारी मिश्र का सम्मान किया। डा. मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि इस सम्मान के हकदार बांग्ला भाषी हैं। आरंभ से ही बांग्ला भाषी हिंदी की सेवा करते आ रहे हैं। श्यामसुंदर सेन, शारदाचरण मित्र, रामानंद चट्टोपाध्याय, नलिनी मोहन सान्याल से लेकर रवींद्रनाथ टैगोर की हिंदी सेवा को कौन नहीं जानता। आज भी अनेक बांग्लाभाषी हिंदी की सेवा कर रहे हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए पश्चिम बंग लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डा. देवप्रिय मल्लिक ने उमीद जताई कि आनेवाले दिनों में हिंदी विश्वविद्यालय की गणना देश के जाने-माने विद्या संस्थानों में होगी। इस अवसर पर कवि-गायक मृत्युंजय कुमार सिंह और बांग्ला कवयित्री शर्मिष्ठा बाग तथा ने भोजपुरी, हिंदी, नेपाली व बांग्ला की कविताओं की आवृत्ति की। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा गाए गए विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। आरंभ में अनुभाग अधिकारी शंभु दत्त सती ने सूत की माला पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया। समारोह का संचालन कोलकाता केंद्र के प्रभारी डा. कृपाशंकर चौबे ने और धन्यवाद ज्ञापन पूजा शुक्ला ने किया।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र में आयोजित 19वें स्थापना दिवस समारोह में डा कृष्णबिहारी मिश्र को हिंदी मित्र सम्मान देते केदारनाथ सिंह। चित्र में सबसे दाएं मृत्युंजय कुमार सिंह और बाएं डा. कृपाशंकर चौबे, डा. देवप्रिय मल्लिक व शर्मिष्ठा बाग।